



# CTET DEC 2024 **L-II**



## बुनियाद (II) बैच 2024

# GEOGRAPHY

## भारत की जलवायु

**Part -2**



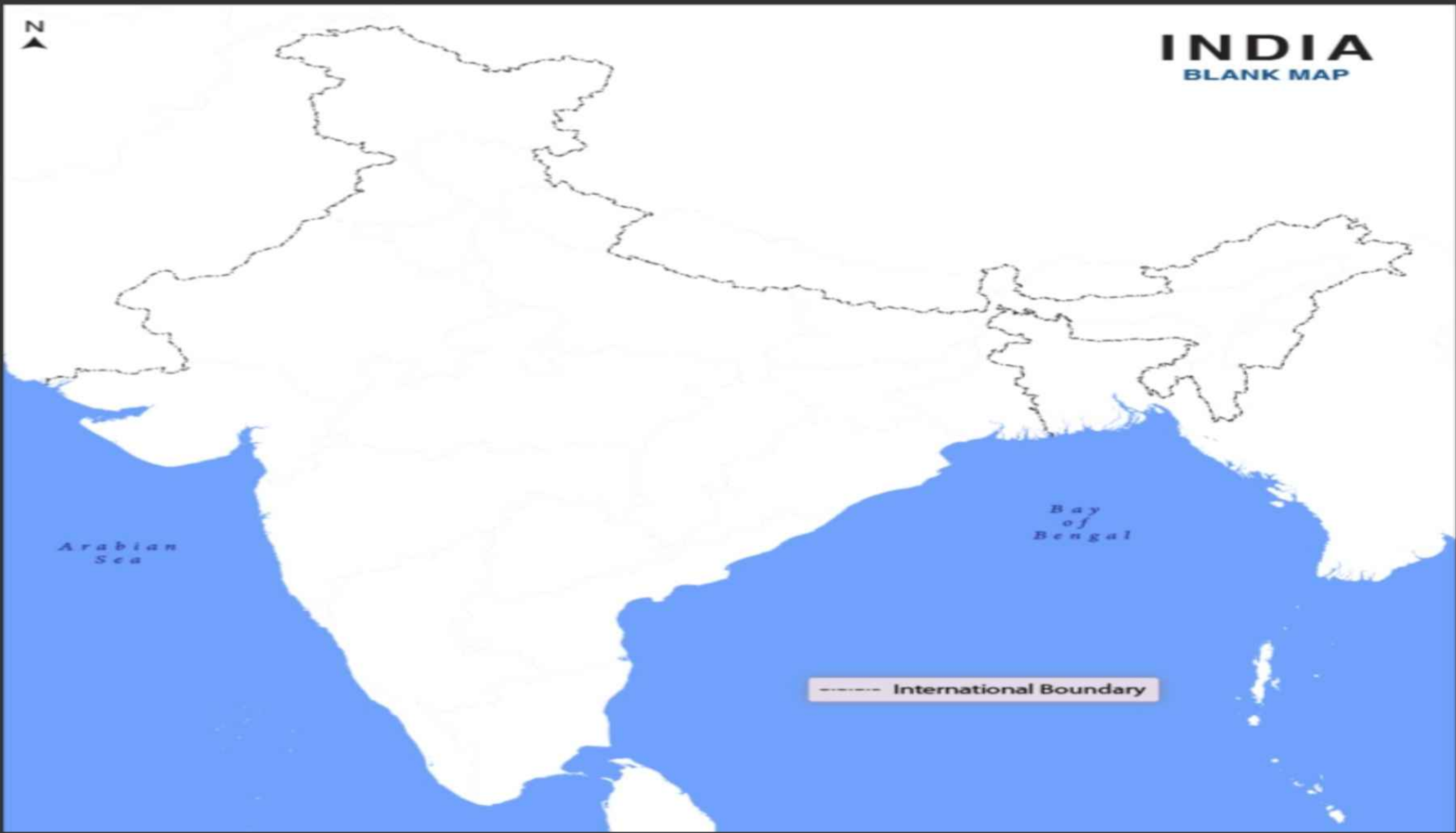
**LIVE**

**14-10-2024 09:00**

N

# INDIA

BLANK MAP



Arabian  
Sea

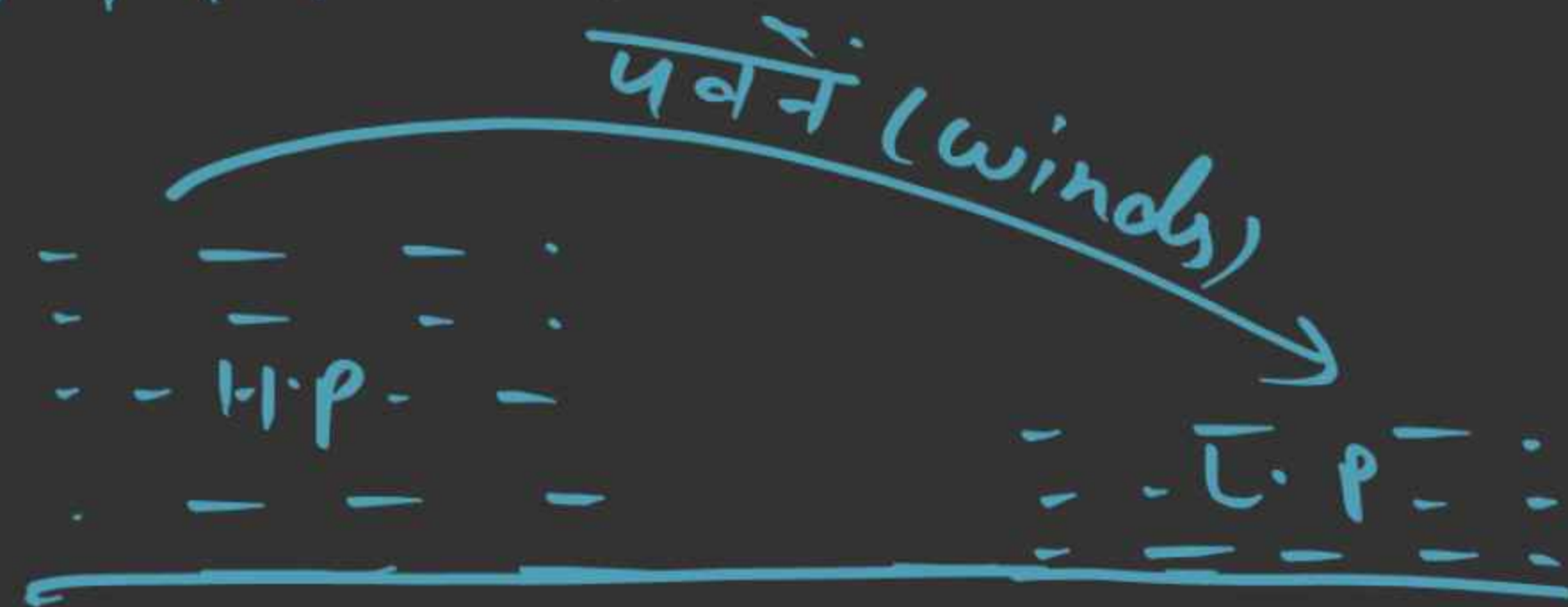
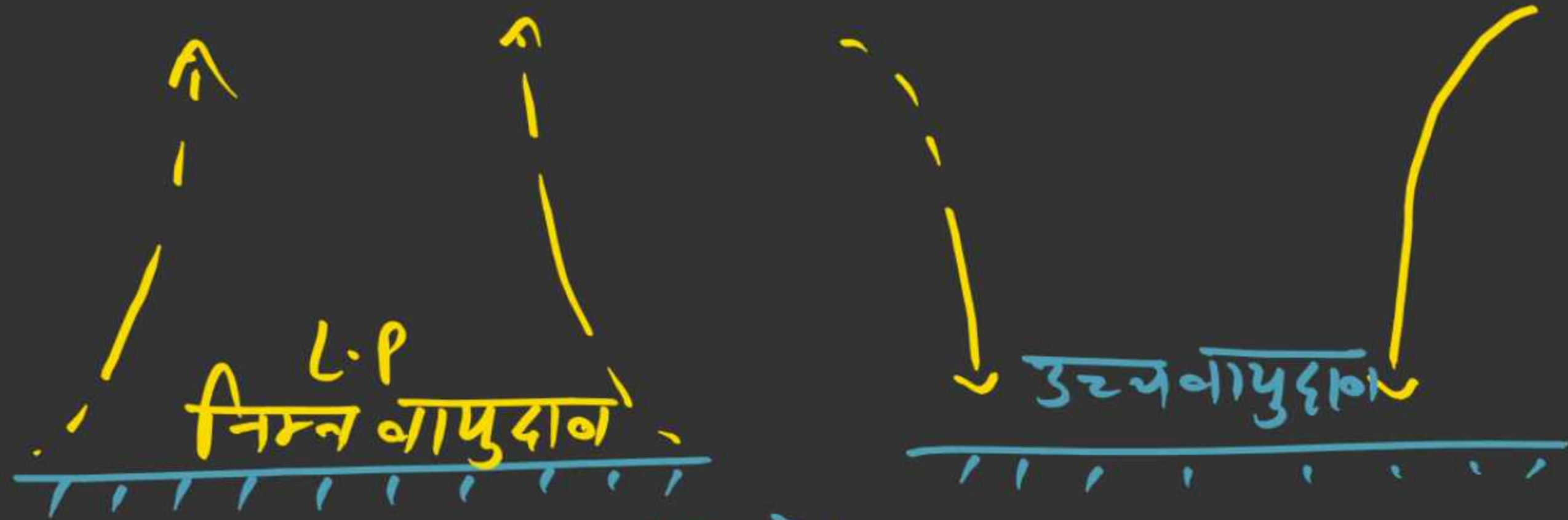
Bay  
of  
Bengal

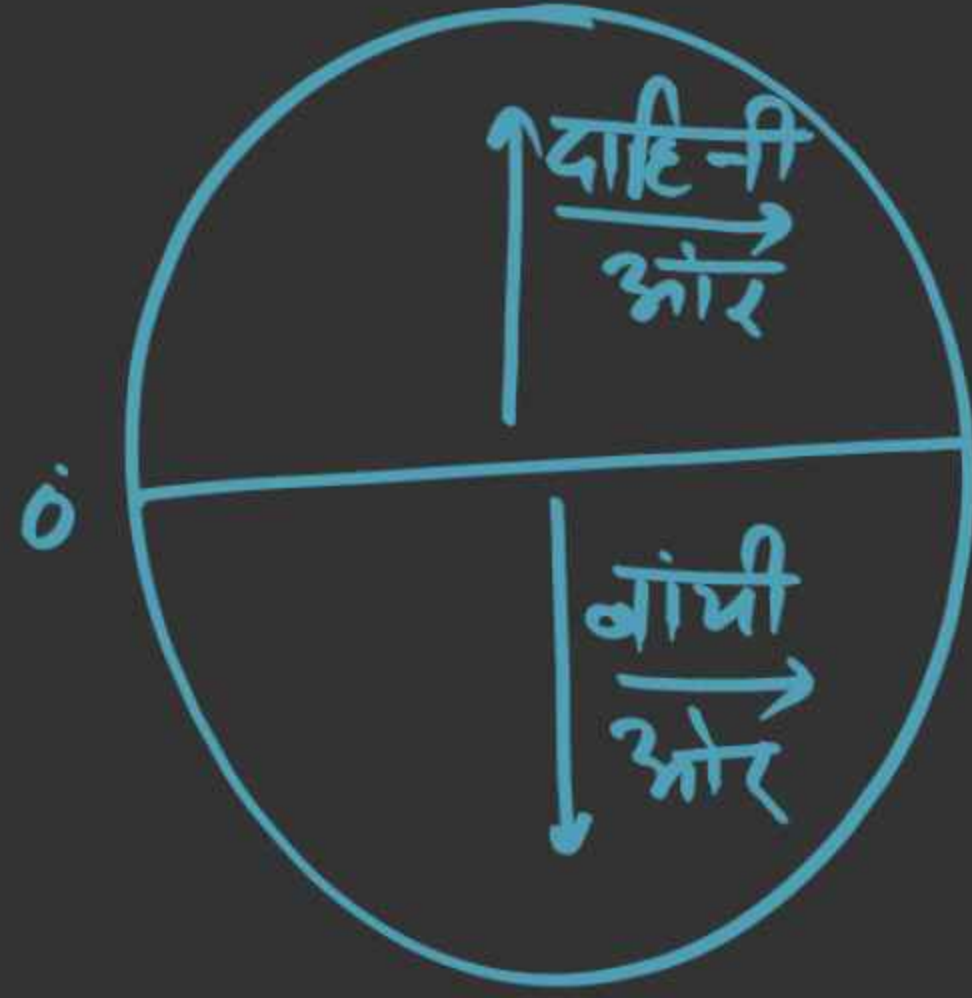
----- International Boundary

# INDIA

## States and Union Territories







कौरि पौलिस बाल

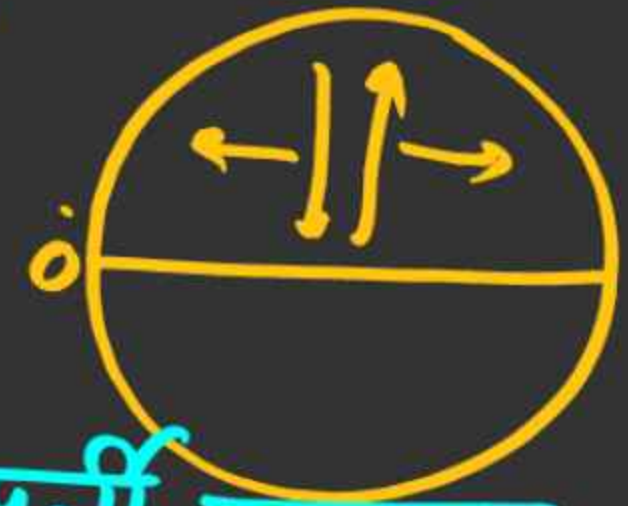
22 Dec



23 1/2°

निम्न वायुदाब गर्मी (Summer)

सर्दी (winter)  
उच्च वायुदाब  
High Air pressure



उत्तर-पूर्वी मानसून  
North-East Monsoon

- तमिलनाडु का तट बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनों के समानांतर पड़ता है और यह अरब सागर की शाखा के वृष्टिछाया क्षेत्र में स्थित है, जिससे दक्षिण-पश्चिम मानसून से यहाँ वर्षा नहीं होती है।

The coast of Tamil Nadu lies parallel to the monsoon winds of the Bay of Bengal and is located in the rain shadow region of the Arabian Sea branch, which does not receive rainfall from the south-west monsoon.

- ये मानसून सर्वप्रथम केरल में June first week में प्रवेश करता है।

This monsoon first enters Kerala in the first week of June.

शीतकालीन मानसून: शीतकाल में 22 दिसम्बर को सूर्य मकर रेखा <sup>(23½°S)</sup> पर लम्बवत् चमकता है, जिस कारण उ.गो. में शीतकाल <sup>winter</sup> तथा द. गो. में ग्रीष्मकाल <sup>Summer</sup> होता है। उत्तरी गोलार्द्ध में शीतकाल के कारण उच्च दाब स्थापित हो जाते हैं, जबकि द. गोलार्द्ध में ग्रीष्मकाल के कारण ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में (भूमध्यरेखा के दक्षिण) में निम्न दाब बन जाते हैं,

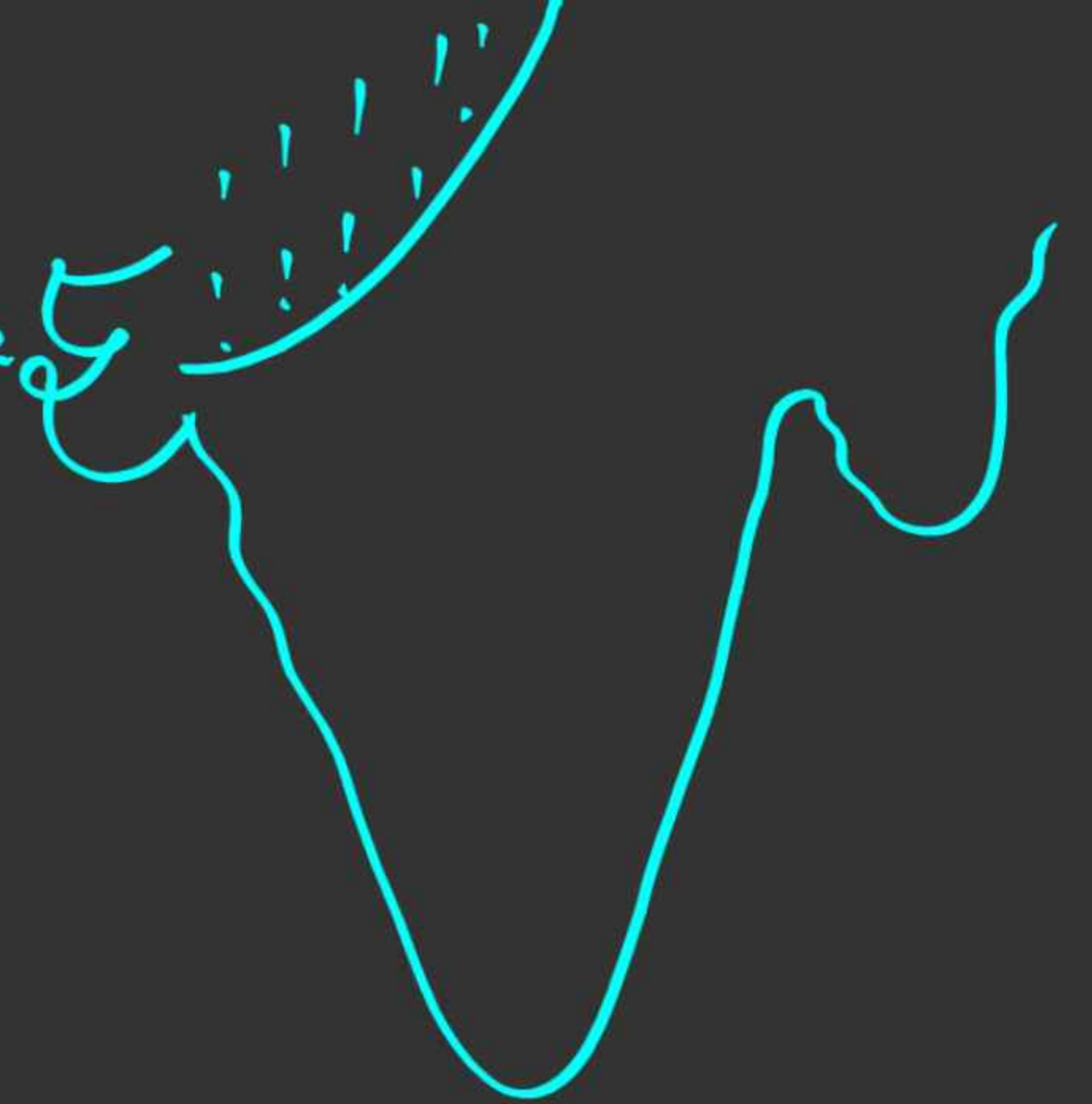
Winter Monsoon: In winter, on 22 December, the sun shines vertically on the Tropic of Capricorn, due to which it is Winter in N.H., It is summer in S.H.. High pressure is established due to winter in the Northern Hemisphere, whereas in the Southern Hemisphere, low pressure is formed in the north of Australia (south of the equator) Due to the summer .

जिस कारण स्थलीय भाग से सागरों की ओर हवाएँ चलने लगती हैं। इसे 'उ.पू. मानसून' (भारत) कहते हैं तथा स्थल की ओर से आने के कारण ये हवाएँ शुष्क होने से वर्षा प्रदान करने में असमर्थ होती हैं।

**Due to which winds start blowing from the terrestrial part towards the oceans, It is called N.E.Monsoon (India) and due to coming from the land, these winds are unable to provide rain due to being dry.**

જૂનવાન  
પશ્ચિમી  
Mediterranean  
Sea

પશ્ચિમી વિધોજ  
Western disturbance  
(દમકા પશ્ચિમી)  
(Lite cyclone)



A hand-drawn diagram illustrating a coastal area. The diagram features a blue line representing the coastline. To the left of the coastline, there are several blue arrows pointing towards the land, labeled "4050 માન (S.W. Monsoon)". To the right of the coastline, there are several red arrows pointing away from the land, labeled "3050 માન (N.E.)". A red oval shape is drawn on the land, labeled "સાઈક્લોન" (Cyclone). Inside the oval, there are small blue dots and a red line. The diagram is drawn on a white background.

(उष्ण मानसून)

इस मानसून की कुछ पवनें बंगाल की खाड़ी से आर्द्रता (Humidity) को लेते हुए तमिलनाडू में प्रवेश करती हैं। और अक्टूबर से दिसम्बर के बीच तमिलनाडू तट (~~Tamthada coast~~) पर वर्षा कराती हैं।

Some winds of this monsoon enter Tamil Nadu carrying humidity from the Bay of Bengal. And between October and December, it rains on the Tamil Nadu coast (Tamthada coast).

शीतकाल (in winter Season) में भारत के उत्तर-पश्चिमी (<sup>North</sup>~~North~~- west Part) भाग में वर्षा का मुख्य कारण भूमध्य सागर से उत्पन्न होने वाला हल्का चक्रवात पश्चिमी विक्षोभ है।

→ विक्षोभ  
The main reason for rainfall in the north-west part of India in the winter season is the western disturbance, a mild cyclone originating from the Mediterranean Sea.

# अरावली पर्वत (Mountain) द० प० मानसून की नम हवाओं को अपने पश्चिम में जाने से रोकता है। यही कारण है कि अरावली के पश्चिम (west) में ~~थार मरुस्थल~~ (Thar desert) की उत्पत्ति हुई है।

थार मरुस्थल

The Aravalli mountain range prevents the moist monsoon winds from going to its west. This is the reason why Thar deserts have originated in the west of Aravalli.

# खासी पहाड़ी के कीपाकार आकृति में होने के कारण द० प० मानसून की नम हवाएँ (Humid air) अपनी नमी को मासिनराम में गिरा देती हैं। यही कारण है कि मासिनराम भारत में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान है।

# Due to the funnel shape of the Khasi hill, the moist air of the south-west monsoon drops its moisture in Masinram. This is the reason why Mawsynram is the place with the highest rainfall in India.

लगातार

# भारत में औसत वार्षिक वर्षा – 112-125 cm .

# Average annual rainfall in India – 112-125 cm.

# भारत में सबसे कम वर्षा - लेह (लद्दाख)

# Lowest rainfall in India - Leh (Ladakh)

# Important points

ग्रीष्म ऋतु में मानसून पूर्व की वर्षा प्राप्त होती है जो भारत के औसत वार्षिक वर्षा का लगभग 10 प्रतिशत होती है। विभिन्न भागों में इस वर्षा के अलग - अलग स्थानीय नाम हैं। यथा-

**Pre-monsoon rainfall is received in the summer season, which is about 10 percent of the average annual rainfall of India. This rainfall has different local names in different parts. as-**

(i) आम्र वर्षा (Mango shower) : ग्रीष्म ऋतु के खत्म होते-होते पूर्व मानसून बौछारें पड़ती हैं, जो केरल में यह एक आम बात है। स्थानीय तौर पर इस तूफानी वर्षा को आम्र वर्षा कहा जाता है क्योंकि यह आमों को जल्दी पकने में सहायता देती है। कर्नाटक में इसे कॉफी वर्षा (Coffee shower) एवं चेरी ब्लॉसम कहा जाता है।

(i) Mango shower: Monsoon showers before the end of the summer season, which is a common phenomenon in Kerala. Locally this stormy rain is called mango rain as it helps in early ripening of mangoes. In Karnataka it is called Coffee shower and Cherry blossom.

(ii) फूलों वाली बौछार : इस वर्षा से केरल व निकटवर्ती कहवा उत्पादक क्षेत्रों में कहवा के फूल खिलने लगते हैं।

(ii) Shower of flowers: Due to this rain, coffee flowers start blooming in Kerala and nearby coffee producing areas.

(iii) काल बैसाखी : असोम और पश्चिम बंगाल में बैशाख के महीने में शाम को चलने वाली ये भयंकर व विनाशकारी वर्षायुक्त पवनें हैं। इनकी कुख्यात प्रकृति का अंदाजा इनके स्थानीय नाम बैशाखी से लगाया जा सकता है। जिसका अर्थ है- बैशाख के महीने में आने वाली तबाही। चाय, पटसन व चावल के लिए ये पवने अच्छी हैं। असोम में इन तूफानों को 'बारदोली छीड़ा' अथवा 'चाय वर्षा' (Tea Shower) कहा जाता है।

(iii) Kaal Baisakhi: In the month of Baisakh in Assam and West Bengal, these fierce and destructive rain-laden winds blow in the evening. Their infamous nature can be gauged from their local name Baisakhi. Which means - the devastation coming in the month of Baisakh. These winds are good for tea, jute and rice. In Assam, these storms are called 'Bardoli Chheeda' or 'Tea Shower'.

Topic Completed

---

जनगणना - २०११

Census - २०११

પ્રથમી જનગણના → 1872 → લાર્ડ મેયો

પ્રથમી નિયમિત જનગણના → 1881 ई०

→ જનસંખ્યા ઘનત્વ  
(Population density)

→ લિંગાનુપાત (Sex Ratio)

→ સાક્ષરતા (Literacy)

↳ લાર્ડ રિપન  
ને મૅલ  
મેં ।